लखनऊ में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

फैसला

राज्य मुख्यालय | शिखा श्रीवास्तव

प्रदेश का तीसरा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) लखनऊ में बनाया जाएगा। यह प्रदेश का पहला सीओई होगा जो ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होगा। एकेटीयू के लखनऊ स्थित आईईटी संस्थान में यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। अगले हफ्ते इस प्रस्ताव को नीति कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) की बैठक में रखा जाएगा।

स्टार्टअप नीति के तहत प्रदेश में तीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोले जाने थे। इसमें पहला सीओई लखनऊ के ही संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान में मेडिकल के क्षेत्र में खोला गया है। वहीं दूसरे के लिए आईआईटी कानपुर से करार हो चुका है और आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस से संबंधित यह सीओई नोएडा में खोला जा रहा है। वहीं तीसरा सेंटर ब्लॉकचेन तकनीक का होगा। आईइटी व डीएलटी लैब के बीच एमओयू साइन हो चुका है। डीएलटी लैब इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को स्थापित करेगी।

बंगलुरू में ब्लॉकचेन तकनीक का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। इस सीओई के यहां खुलने के बाद इस तकनीक में अपना स्टार्टअप शुरू करने वालों को लाभ मिलेगा। प्रारम्भिक दौर में 100 से ज्यादा स्टार्टअप यहां से जुड़ पाएंगे।

यह हैं ब्लॉकचेन तकनीक के फायदे

- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ब्लॉकचेन तकनीक की मदद से अपने रिजल्ट्स के प्रमाण पत्रों का रिकार्ड रखेगा।
- इसके अलावा गुड गवर्नेंस व पारदर्शिता के लिए सरकार इसका इस्तेमाल कर सकती है। सरकार के पास कई सारे रिकॉर्ड हैं जो फाइलों में बंद पड़े हैं। अक्सर इनके खोने या किसी कारण नष्ट होने का डर रहता है। सरकार इस डाटा को एनकोड करके डिडिटल लेजर पर अपलोड कर सकती है।
- ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके लैंड डील को सरल बनाया जा सकता है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश लैंड डील के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं।

क्या है ब्लॉकचेन तकनीक

ब्लॉकचेन एक ऐसी तकनीक है जो न सिर्फ डिजिटल करेंसी बल्कि किसी भी चीज को डिजिटल बनाकर उसका रिकॉर्ड बनाती है। इसे सरल शब्दों में डिजिटल लेजर कहा जा सकता है। क्रिप्टकरेंसी इसी तकनीक के आधार पर चल रही है। ब्लॉकचेन में एक बार किसी भी लेन-देन को दर्ज करने पर इसे न तो वहां से हटाया जा सकता है और न ही इसमें संशोधन किया जा सकता है।